केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ३ मार्च, २०१३ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था - सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी - सत्संग प्रारंभ

जनवरी, २०१३ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुणांक : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रद्धन के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (८)	
	६ (६)	
विभाग-१, कुल गुण (३६)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (६)	
	१० (५)	
	११ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३०)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (४)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	
विभाग-३, कुल गुण (३४)		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

विभाग – १ : घनश्याम चरित्र – चतुर्थ संस्करण, नवम्बर – २०११

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''हम लोग सब जगह हो आए, वे कहीं नहीं मिले ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''हम एक हज़ार वैरागी खाँपा तलैया पर ऊतरे हैं ।''

३. ''हम बालप्रभु को परेशान करने के लिए अब कभी छपिया नहीं जाएँगी ।''

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४)**

१. हलवाई के चेहरे पर हवाईयां क्यों ऊड़ने लगीं ?

.....

.....

२. मीन सरोवर के किनारे खेलते समय घनश्यामने बालमित्रों के सामने कौन सी शर्त रखी ?

३. मार्कण्डेय मुनिने भविष्यवाणी किये हुए घनश्याम के नाम लिखो ।

४. अन्नकूट की आरती के वक्त सब को घनश्याम कहाँ कहाँ दिखाई दिए ?

प्र. ३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(४)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बन्दरों को मार :- छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे तब एक बन्दर रोटियाँ झपटकर पेड़ पर जा बैठा ।

उत्तर : बन्दरों को मार :- **अयोध्या** में घनश्याम **बरामदे** में भोजन कर रहे थे तब एक बन्दर **पूड़ी** झपटकर पेड़ पर जा बैठा ।

१. **बन्दर को समाधि :** छपिया गाँव में आसुरीवृत्ति के दुष्ट और आततायी लोग घनश्याम के परिवार को बहुत पीड़ा देते थे । उनसे त्रस्त होकर धर्मदेवजी परिवार के साथ मथुरा के बारभठ्ठा मुहल्ले में रहने गये ।

उ. .....

.....

२. **सरयू के किनारे :** कालिय नामक राक्षस ने घनश्याम को सरयू के जल में धक्का दिया और अपने सरदार कालीदत्त को समाचार देने पहुँच गया ।

३. **लक्ष्मीबाई ने देखा – एक चमत्कार :** माधव की माता लक्ष्मीबाई ने सुवासिनीभाभी को कहा आपका लाड़ला घनश्याम हमेशा मेरे घर में घुसकर दूध, दहीं और मक्खन खा जाता हैं ।

४. **रामचन्द्र के रुप में दर्शन :** नारायण सरोवर में से घनश्याम पानी पर चलकर किनारे आये। उस समय सभी को घनश्याम के स्वरुप में रामचंद्र भगवान के दर्शन हुए ।

प्र. ४ 'निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(विवरण आवश्यक नहीं है ।) **(५)**

१. रामदत्त को आम चखाया २. एक साथ अनेक मंदिरों में दर्शन ३. लक्ष्मीजी को वरदान

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(८)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. कर्ण वेध संस्कार

(१) ☐ घनश्याम सात मास के थे । (२) ☐ घनश्याम के शरीर से प्रकाश-पुंज निकलने लगा ।

(३) ☐ इच्छाराम को दो स्वरुपों का दर्शन । (४) ☐ मुझे तो अब मक्खन खाना हैं ।

२. मौसी को चमत्कार

(१) ☐ मौसी के नाम : वसन्ताबाई और पूनमबाई (२) ☐ वसन्ताबाई के पुत्र का नाम माणेकधर ।

(३) ☐ जागो जागो जग जीवन प्यारा ।

(४) ☐ घनश्याम ने दो स्वरूपों का दर्शन देकर चमत्कार दिखाया ।

३. चोर चिपक गए ।

(१) ☐ पाँच चोर कटहल चोरने गए । (२) ☐ कटहल तोड़ने गए और हाथ चिपक गए ।

(३) ☐ मन में सोचा : यदि धर्मदेव आएँगे तो हमारी हड्डियाँ तोड़ देंगे ।

(४) ☐ घनश्याम ने कहा, ''भाइयों, चोरी कभी मत करना, चोरी करना महापाप है ।''

४. घनश्याम का गृहत्याग

(१) ☐ अब से मेरी कोई शिकायत कभी नहीं आएगी ।

(२) ☐ मल्लोने रामप्रतापभाई को घनश्याम की शिकायत की ।

(३) ☐ रात को करीब साढ़े तीन बजे उठ़कर सरयू की ओर निकल पड़े ।

(४) ☐ मुंज की एक मेखला अर्थात् कटिसूत्र धारण की थी ।

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. धर्मदेव का सारा घर प्रकाशित हो गया ।

.....

.....

.....

.....

२. भक्तिमाता ने धर्मपिता को दाल, चावल आदि सारी चीजें बाज़ार में जाकर ले आने को कहा ।

३. अयोध्या में आये महादेवजी के मंदिर में दर्शन करने गए हुए घनश्याम उदास हो गये ।

विभाग - २ : योगीजी महाराज - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००५

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''योगीजी महाराज को अक्षर देहरी में ले चलो। वहाँ 'स्वामिनारायण' नाम की धून रटना शुरु कर दो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''धर्म-नियम का पालन करना, युवक मंडल में नियमित जाना ।''

३. ''वृद्ध साधुओं की सेवा, बिना सद्भाग्य के नहीं मिलती ।''

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४)**

१. योगीजी महाराज रोजाना कितनी बार भोजन करते थे ?

.....

.....

२. योगीजी महाराज ने किस प्रवृत्ति को बहुत वेग दिया ?

३. जूनागढ़ से कौन से स्वामी संत मंडली के साथ धारी पधारे ?

४. योगीजी महाराज रोज कितनी रोटियाँ बना डालते ?

प्र. ९ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **(६)**

विषय : सच्चे साधु

१. योगीजी महाराज के आशीर्वाद लेकर वे बैलगाड़ी में बैठकर कारियाणी पहुँच गए । **२.** मोजीदड़ गाँव से नारायणधरा पर स्नान करने गए हुए योगीजी महाराज का नारायणप्रसाद ने बहुत अपमान किया । **३.** गोंडल में अंध साधु भगवत्स्वरुपदासजी के साथ योगीजी महाराज भिक्षा के लिए जाते थे । **४.** नारायणप्रसाद रात को करीब दो बजे जालिला स्टेशन पर ऊतरे । **५.** नारायणप्रसाद को बहुत पश्चात्ताप हुआ । वे योगीजी महाराज के चरणों में गिर पड़े । **६.** योगीजी महाराज एक हाथ से स्वामी भगवत्प्रसादजी को सम्हालते थे । **७.** ताँगेवाले ने सारंगपुर गाँव ले जाने की नारायणप्रसाद को ना कह दी । **८.** नारायणप्रसाद को पैर में काँटा चुभ गया था, पैर सूज गया था । **९.** ठाकुरजी के थाल के लड्डू एवं पूरियाँ परोसकर उनको जिमाया । **१०.** करसनसंग बापु ने योगीजी महाराजको कहा, 'किसी विद्वान साधु को साथ क्यों नही रखते ?' **११.** बरसात के दिनों में नारायणप्रसाद रात को सारंगपुर पहुँचे । **१२.** नारायणप्रसाद बोले, 'वैर को प्रेम से शांत करनेवाले आप शास्त्रीजी महाराज के आदर्श साधु हैं ।'

(१) केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० 'तपस्वी झीणा भगत' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. गढ़डा में योगीजी महाराज के तत्त्वावधान में बड़ी धूमधाम से मूर्ति प्रतिष्ठा का समारोह किया गया ।

.....

.....

.....

.....

२. मोहनकाका की बात सुनते ही झीणाभाई बहुत खुश हो गए ।

३. शास्त्रीजी महाराज बार-बार योगीजी महाराज को आशीर्वाद देते और प्रशंसा भी करते थे ।

विभाग - ३ किशोर सत्संग प्रारंभ - द्वितीय संस्करण, जनवरी - २०११

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४)**

१. हमारे इष्टदेव को हम क्या कहकर पुकारते हैं ?

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज ने अपने आश्रितों को किस लिए शिक्षापत्री का ग्रंथ दिया ?

३. अजामिल के घर कोन पधारे ?

४. भगवान पर विश्वास होने पर क्या होता है ?

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(८)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. सोढी गाँव की बीबी

(१) ☐ आँगन में नीम का पेड़ उगाया था । (२) ☐ सोमला खाचर दातून लेने गए ।

(३) ☐ सोरठ प्रदेश का सोढ़ी गाँव । (४) ☐ इस पेड़ को तो मैनें केवल खुदा के लिए ही उगाया हैं ।

२. शास्त्रीजी महाराज

(१) ☐ जन्म संवत् १९२१ माघ शुक्ला वसंतपंचमी ।

(२) ☐ श्रीपतिप्रसादजी महाराज ने दीक्षा दी ।

(३) ☐ पाँच मंदिर बनवाये ।

(४) ☐ सत्रह वर्ष की आयु में गृहत्याग ।

३. थाल

(१) ☐ भूमानंद स्वामी को चार दिन का उपवास ।

(२) ☐ बाजरे का होला ।

(३) ☐ भूमानंद स्वामी ने 'जिमो थाल जीवन ! जाऊँ वारी...' थाल बनाया ।

(४) ☐ मैं पीऊँगा तो मेरे साथ साथ भगवान भी पीएँगे ।

४. विजापुर की वजीबाई

(१) ☐ हरिदास स्वामी की बातों से सत्संग ।

(२) ☐ भक्ति की परीक्षा महाराज ने स्वयं की ।

(३) ☐ श्रीजीमहाराज ने खटिया और गद्दा माँगा ।

(४) ☐ श्रीजीमहाराज के पैर पीपल के पेड़ को छू गए ।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४)**

१. ..... श्रीजीमहाराज के पास फरियाद करने गया की 'लाडुबा और जीवुबा दूध को जला रहीं हैं ।'

२. सामत पटेल ने श्रीजीमहाराज के सामने ..... रूपयों का ढ़ेर खड़ा कर दिया ।

३. ..... ने बचपन में ही भगवान की साधना की थी ।

४. ..... दिशा की ओर मुँह रखकर पूजा करनी चाहिए ।

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । **(८)**

१. ''वाणी है जिनकी, ...

..... सदा भाव से ।''

२. सकलशास्त्र का ..... जय गुणातीतानंद

३. हम तो है श्रीजी की ..... गुणातीत स्वामी ॥

४. आइए प्रभु ! ..... आमरस भरी हैं॥

प्र.१६ ''आज स्वामिनारायण नाम जैसा....'' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । (प्रंदह पंक्तियाँ)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१७ 'शास्त्रीजी महाराज' – **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।**
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।) **(५)**

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

* * *